दक्ष®

10 मई 2022 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित

A Complete Book for

No.1

# ग्रेड-2nd शिक्षक भर्ती

# राजस्थान का सामान्य ज्ञान

## भूगोल, इतिहास, संस्कृति, राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

अनिवार्य प्रथम प्रश्न पत्र - Part-I

**अत्यन्त महत्त्वपूर्ण 80 अंक सुनिश्चित करें**

- इतिहास एवं संस्कृति तथा राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था का विभिन्न डायग्रामों, तालिकाओं एवं चित्रों द्वारा स्पष्टीकरण
- भूगोल विषय का बेहतरीन मानचित्रों, आरेखों द्वारा प्रस्तुतीकरण
  20वीं पशुगणना एवं नवीनतम वन रिपोर्ट-2021
- ₹ नवीनतम आर्थिक समीक्षा 2021-22 का सार संग्रह
- NCERT, RBSE एवं प्रामाणिक पुस्तकों पर आधारित एवं सारगर्भित व सरल भाषा में प्रस्तुतीकरण

M.K. YADAV

Buy Online at : WWW.DAKSHBOOKS.COM

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

# SYLLABUS

for Examination for the post of

# SR.TEACHER (GRADE-II)

SECONDARY EDUCATION DEPARTMENT

## PAPER-I

## Part-I GEOGRAPHICAL, HISTORICAL, CULTURAL AND GENERAL KNOWLEDGE OF RAJASTHAN

- Physical features, climate, drainage, vegetation, agriculture, livestock, dairy development, population distribution, growth, literacy, sex ratio, tribes, industries and major tourist centres.
- **Ancient Culture & Civilisation of Rajasthan, Kalibangan, Ahar, Ganeshwar, Bairath.**
- **History of Rajasthan from 8th to 18th Century**
  - Gurjar Pratihars
  - Chauhans of Ajmer
  - Relations with Delhi Sultanate – Mewar, Ranthambore and Jalore.
  - Rajasthan and Mughals – Sanga, Pratap, Mansingh of Amer, Chandrasen, Rai Singh of Bikaner, Raj Singh of Mewar.
- **History of Freedom Struggle in Rajasthan**
  - Revolution of 1857.
  - Prajamandal Movements.
  - Political Awakening.
  - Peasants and Tribal Movements.
- **Integration of Rajasthan**
- **Society and Religion**
  - Lok Devta and Devian.
  - Architecture – Temples, Forts & Palaces.
  - Fairs and Festivals.
  - Folk Music and Dance.
  - Saints of Rajasthan.
  - Paintings – Various Schools.
  - Customs, Dresses and Ornaments.
  - Language and Literature.

**Political and Administrative System of Rajasthan :-**

- Office of Governor; Role and Functions.
- Chief Minister and Cabinet (State council of Ministers).
- State Secretariat and Chief Secretary.
- Organisation and Role of the Rajasthan Public Service Commission.
- State Human Rights Commission.
- Panchayati Raj (Local Self Govt. Administration).
- State Legislative Assembly in Rajasthan.

For the competitive examination for the post of Senior Teacher:-

1. The question paper-I will carry maximum 200 marks.
2. Duration of question paper will be **two hours.**
3. The question paper will carry 100 questions of multiple choices.
4. Paper shall include following subjects:-
   (i) Geographical, Historical, Cultural and General Knowledge of Rajasthan
   (ii) Current Affairs of Rajasthan
   (iii) General Knowledge of World and India
   (iv) Educational Psychology
5. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answer. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.

# अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर

❖ ग्रेड-2nd शिक्षक भर्ती परीक्षा 03 जुलाई, 2019 को आयोजित
अनिवार्य प्रश्न-पत्र प्रथम का Part-I राजस्थान सामान्य ज्ञान सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या ..... P-1–P-6

❖ ग्रेड-2nd शिक्षक भर्ती परीक्षा 19 फरवरी, 2019 को आयोजित
अनिवार्य प्रश्न-पत्र प्रथम का Part-I राजस्थान सामान्य ज्ञान सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या ..... P-7–P-12

❖ ग्रेड-2nd शिक्षक भर्ती परीक्षा 17 फरवरी, 2019 को आयोजित
अनिवार्य प्रश्न-पत्र प्रथम का Part-I राजस्थान सामान्य ज्ञान सम्पूर्ण हल एवं व्याख्या ..... P-13–P-18

**Part-'A' राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था 1-162**

1 राजस्थान की स्थिति, विस्तार, आकृति, भौतिक स्वरूप
[Location, Extent, Shape, Size, Physical, Features of Rajasthan] ..... 1
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 16

2 राजस्थान का अपवाह तंत्र एवं झीलें
[Drainage System of Rajasthan and Lakes] ..... 20
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 33

3 राजस्थान की जलवायु [Climate of Rajasthan] ..... 36
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 42

4 राजस्थान में प्राकृतिक वनस्पति [Natural Vegetation in Rajasthan] ..... 46
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 53

5 राजस्थान में कृषि [Agriculture in Rajasthan] ..... 57
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 73

6 राजस्थान में पशुधन एवं डेयरी विकास
[Livestock and Dairy Development in Rajasthan] ..... 79
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 91

7 जनसंख्या वितरण, वृद्धि, साक्षरता, लिंगानुपात
[Population Distribution, Growth, Literacy, Sex Ratio] ..... 96
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 107

8 राजस्थान की जन-जातियाँ [Tribes of Rajasthan] ..... 110
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 118

9 राजस्थान में उद्योग [Industries in Rajasthan] ..... 121
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 133

10 राजस्थान के प्रमुख पर्यटन केन्द्र
[Major Tourist Centres in Rajasthan] ..... 137
❖ महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर ..... 159

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर


## Part-'B' राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति 163-286

**11** राजस्थान की प्राचीन संस्कृति एवं सभ्यता
[Ancient Culture & Civilization of Rajasthan] ..... 163
कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर बैराठ [Kalibangan, Ahar, Ganeshwar, Bairath]
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 165

**12** दिल्ली सल्तनत के साथ संबंध : मेवाड़, रणथम्भौर व जालौर
[Relations with Delhi Sultanate : Mewar, Ranthambore and Jalore] ..... 167
गुर्जर प्रतिहार एवं अजमेर के चौहान (Gurjar Pratihars & Chauhans of Ajmer)
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 172

**13** राजस्थान एवं मुगल [Rajasthan and Mughals] ..... 175
सांगा, प्रताप, आमेर का मानसिंह, चन्द्रसेन, बीकानेर का रायसिंह, मेवाड़ का राजसिंह (Sanga, Pratap, Mansingh of Amer, Chandrasen, Raisingh of Bikaner, Raj Singh of Mewar)
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 181

**14** राजस्थान में 1857 की क्रांति, राजनीतिक जागृति, प्रजामंडल आन्दोलन
[Revolution of 1857, Political Awakening, Prajamandal Movement in Rajasthan] ..... 183
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 193

**15** राजस्थान में किसान व जनजातीय आंदोलन
[Peasants and Tribal Movements in Rajasthan] ..... 197
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 203

**16** राजस्थान का एकीकरण [Integration of Rajasthan] ..... 210
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 215

**17** राजस्थान के लोक संत, देवता एवं देवियाँ
[Lok Saints, Devta & Devian of Rajasthan] ..... 218
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 227

**18** स्थापत्य : मंदिर, किले एवं महल
[Architecture : Temples, Forts & Palaces] ..... 232
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 243

**19** राजस्थान में चित्रकला : विभिन्न स्कूल
[Paintings in Rajasthan : Various Schools] ..... 245
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 251

**20** मेले व त्योंहार/उत्सव, रीति-रिवाज, वस्त्र एवं आभूषण
[Fairs & Festivals, Customs, Dresses & Ornaments] ..... 255
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 265

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर

**21** राजस्थान के लोक संगीत एवं नृत्य
[Folk Music and Dance of Rajasthan] ..... 267
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 274

**22** राजस्थान में भाषा और साहित्य
[Language and Literature in Rajasthan] ..... 276
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 284

**Part-'C' राजस्थान का राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था 287-350**

**23** राज्यपाल का कार्यालय; भूमिका एवं कार्य
[Office of Governor; Role and Functions] ..... 287
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 294

**24** मुख्यमंत्री, कैबिनेट एवं राज्य की मंत्रिपरिषद्
[Chief Minister, Cabinet and State Council of Ministers] ... 299
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 303

**25** राज्य सचिवालय एवं मुख्य सचिव
[State Secretariat and Chief Secretary] ..... 307
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 311

**26** राजस्थान लोक सेवा आयोग का संगठन व भूमिका
[Organisation and Role of Rajasthan Public Service Commission] ..... 313
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 316

**27** राज्य मानवाधिकार आयोग
[State Human Rights Commission] ..... 319
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 322

**28** स्थानीय स्वशासन-पंचायती राज एवं नगरीय स्वशासन
[Local Self Government - Panchayati Raj and Urban Local Government] ..... 324
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 335

**29** राजस्थान में राज्य विधानसभा
[State Legislative Assembly in Rajasthan] ..... 339
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 347

**● राजस्थान की आर्थिक समीक्षा सार संग्रह 351-376**

**30** राजस्थान : आर्थिक समीक्षा सार संग्रह
[Rajasthan : Economic Review Summary 2021-22] ..... 351
❖ महत्त्वपूर्ण बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ..... 375

# विज्ञप्ति 2018

## परीक्षा 17 फरवरी, 2019 को आयोजित

**1. सुमेलित कीजिए—**

| लोक देवता | मुख्य तीर्थस्थल |
|---|---|
| i. तल्लीनाथ | a. पाँचोटा गाँव (जालौर) |
| ii. तेजाजी | b. परबतसर (नागौर) |
| iii. देवनारायणजी | c. कोलू गाँव (फलौदी) |
| iv. पाबूजी | d. आसींद (भीलवाड़ा) |

सही कूट चुनिए :

| | i | ii | iii | iv | |
|---|---|---|---|---|---|
| (A) | a | b | c | d | |
| (B) | b | a | d | c | |
| (C) | c | d | a | b | |
| (D) | a | b | d | c | **[D]** |

**व्याख्या**—प्रश्नगत दिये गये लोकदेवता तथा मुख्य तीर्थ स्थल का सही सम्बन्ध इस प्रकार है—

| लोक देवता | मुख्य तीर्थस्थल |
|---|---|
| तल्लीनाथजी | पाँचोटा गाँव (जालौर) |
| तेजाजी | परबतसर (नागौर) |
| देवनारायणजी | आसींद (भीलवाड़ा) |
| पाबूजी | कोलू गाँव (फलौदी) |

**2. संत पीपा के गुरु थे—**

(A) रामानुज (B) कबीर
(C) रामानंद (D) शंकराचार्य **[C]**

**व्याख्या**—संत 'पीपा' के गुरु रामानन्द थे। इन्होंने रामानन्द से दीक्षा लेकर राजस्थान में निर्गुण भक्ति परम्परा का सूत्रपात किया। बाड़मेर जिले के समदड़ी कस्बे में इनका विशाल मंदिर है जहाँ प्रतिवर्ष विशाल मेला भरता है। संत पीपा का जन्म गागरोनगढ़ (वर्तमान झालावाड़ जिले में) के नरेश कड़ावा राव खींची के यहाँ 1425 ई. में चैत्र पूर्णिमा के दिन हुआ था।

**3. 'आदिवासियों का कुम्भ' किस मेले को कहा जाता है?**

(A) बाणगंगा का मेला (B) पुष्कर का मेला
(C) सुरसुरा का मेला (D) बेणेश्वर मेला **[D]**

**व्याख्या**—'आदिवासियों का कुंभ' बेणेश्वर मेले को कहा जाता है। बेणेश्वर मेला प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा को बेणेश्वर (डूँगरपुर) में आयोजित होता है।

**4. 'बुद्धि विलास' ग्रंथ के लेखक हैं—**

(A) किसना आढ़ा (B) बखत राम शाह
(C) बांकीदास (D) नरोत्तम **[B]**

**व्याख्या**—'बुद्धि विलास' ग्रंथ के लेखक बखतराम शाह हैं। इस ग्रंथ में जयपुर के कछवाहों के इतिहास की जानकारी मिलती है।

**5. संयुक्त राजस्थान का अप्रैल 18, 1948 को किसने उद्घाटन किया?**

(A) माणिक्यलाल वर्मा (B) जवाहरलाल नेहरू
(C) महात्मा गांधी (D) के.एम. मुन्शी **[B]**

**व्याख्या**—18 अप्रैल 1948 को राजस्थान संघ में उदयपुर रियासत का विलय कर संयुक्त राजस्थान का निर्माण हुआ। पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। महाराणा भूपालसिंह को राजप्रमुख तथा माणिक्य लाल वर्मा को प्रधानमंत्री बनाया गया। उदयपुर को संघ की राजधानी बनाया गया।

**6. निम्न में से किस देवी को शिशु-रक्षक लोकदेवी माना जाता है?**

(A) चौथ माता (B) छिंछ माता
(C) घेवर माता (D) महामाया माता **[D]**

**व्याख्या**—महामाया माता को शिशु-रक्षक लोकदेवी माना जाता है। इसका मंदिर मावली (उदयपुर) में स्थित है। यहाँ गर्भवती स्त्रियों द्वारा पूजा की जाती है।

**7. 1936 में मघाराम ने किस स्थान पर बीकानेर प्रजा मंडल की स्थापना की?**

(A) बीकानेर (B) कलकत्ता
(C) बम्बई (D) अजमेर **[B]**

**व्याख्या**—4 अक्टूबर 1936 को पं. मघाराम वैद्य ने कलकत्ता में बीकानेर प्रजामण्डल की स्थापना की। प्रजामण्डल की स्थापना में श्री भिक्षालाल बोहरा, श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, शेरा राम व लक्ष्मणदास सहयोगी रहे। बीकानेर नरेश गंगासिंह ने मघाराम को रियासत से निष्कासित करके प्रजामण्डल का शैशवकाल में ही दमन कर दिया।

**8. राजस्थान का उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम विस्तार क्रमशः है—**

(A) 852 और 878 किलोमीटर
(B) 915 और 842 किलोमीटर
(C) 826 और 869 किलोमीटर
(D) 834 और 887 किलोमीटर **[C]**

**व्याख्या**—राजस्थान का उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम विस्तार क्रमशः 826 और 869 किलोमीटर है। राज्य का सबसे उत्तरी बिन्दु कोणा गाँव (श्रीगंगानगर), दक्षिणी बिन्दु बोरकुण्डा (बाँसवाड़ा),

# 5 राजस्थान में कृषि [Agriculture in Rajasthan]

राजस्थान में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र से जुड़े आँकड़े एवं योजनाएँ नवीनतम आर्थिक समीक्षा वर्ष 2021-22 के अनुसार अपडेट किए गए हैं।

## अध्ययन बिन्दु

### नवीनतम आर्थिक समीक्षा 2021–22 के अनुसार राजस्थान में कृषि परिदृश्य

- राज्य के GSVA में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र का योगदान
- राजस्थान में भू–उपयोग
- प्रचलित जोत धारक
- महिला प्रचलित जोत धारक
- मानसून की स्थिति
- कृषि उत्पादन की स्थिति

### राजस्थान में कृषि उपजों के प्रकार, वितरण एवं उत्पादन

- मौसम के आधार पर कृषि उपजों का वर्गीकरण
- खाद्यान्न उपजें
- तिलहन/दलहनी उपजें
- व्यापारिक फसलें
- प्रमुख बागवानी फसलें

### राजस्थान के कृषि जलवायु प्रदेश

- भूमि सुधार कार्यक्रम
- राष्ट्रीय तिलहन विकास परियोजना
- कृषि क्षेत्रीय आधारभूत ढाँचे का विकास
- जैविक खेती
- राज्य किसान आयोग
- कृषि विपणन हेतु RAJFED एवं विशिष्ट कृषि उपज मंडियाँ
- हरित क्रांति
- कृषि क्षेत्र की विभिन्न क्रांतियाँ

### राजस्थान में कृषि विकास कार्यक्रम एवं परियोजनाएँ

#### आर्थिक समीक्षा 2021–22 के अनुसार

- मुख्यमंत्री बीज स्वावलंबन योजना
- महिला प्रशिक्षण
- कृषि शिक्षा हेतु छात्राओं को प्रोत्साहन
- कृषि प्रदर्शन
- बीज मिनिकट
- सूक्ष्म पोषक तत्त्व मिनिकट
- जीरो बजट नेचुरल फार्मिंग
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन
- राष्ट्रीय कृषि विस्तार एवं तकनीकी मिशन
- राष्ट्रीय टिकाऊ खेती मिशन
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना

- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
- राष्ट्रीय बागवानी मिशन
- P.M. कुसुम योजना
- राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
- राजीव गांधी कृषक साथी सहायता योजना
- किसान कलेवा योजना
- महात्मा ज्योतिबा फुले मंडी श्रमिक कल्याण योजना–2015
- राजस्थान कृषि प्रसंस्करण कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात् प्रोत्साहन नीति–2019
- कृषक कल्याण कोष
- P.M. सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना

# 11 राजस्थान की प्राचीन संस्कृति एवं सभ्यता
## [Ancient Culture & Civilization of Rajasthan]
### कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर बैराठ
### [Kalibangan, Ahar, Ganeshwar, Bairath]

राजस्थान की यह मरुभूमि विभिन्न प्राचीन सभ्यताओं की जननी रही है। यहाँ पाषाणयुगीन एवं ताम्र पाषाण युगीन सभ्यताओं का उदय हुआ है, जिनमें कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बैराठ, बागौर आदि प्रमुख हैं। ये सभ्यताएँ न केवल स्थानीय सभ्यता का प्रतिनिधित्व करती हैं अपितु अपनी चित्रकला, मृदभांड शिल्प एवं धातु तकनीकी कौशल के कारण प्राचीन विश्व की अन्य सभ्यताओं के भी संपर्क में थी। नए पाठ्यक्रमानुसार इस अध्याय में चार प्रमुख सभ्यताओं का वर्णन किया गया है।

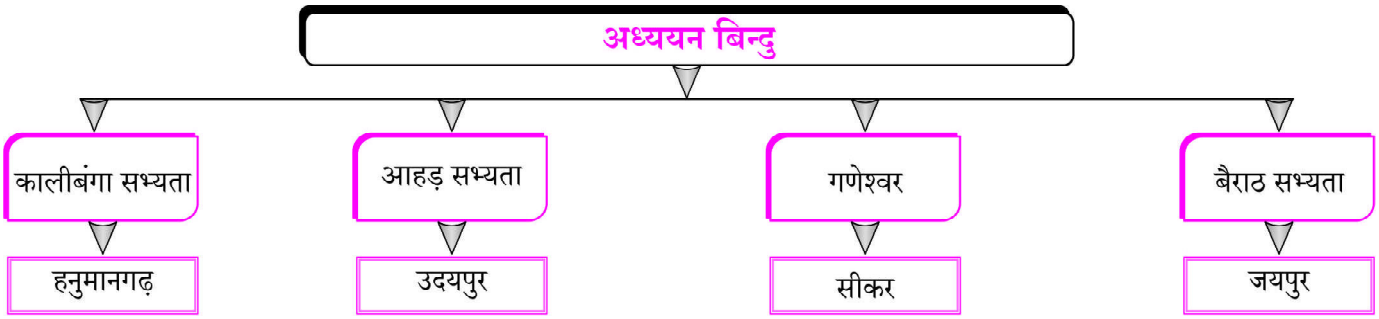


## कालीबंगा सभ्यता

- कालीबंगा सैन्धव सभ्यता की **'तीसरी राजधानी'** मानी जाती है। राजस्थान के **हनुमानगढ़** जिले में अवस्थित यह सभ्यता आज से लगभग 6 हजार वर्ष पुरानी मानी जाती है।
- प्राचीन सरस्वती एंव दृषद्वती नदियों (वर्तमान घग्घर नदी क्षेत्र) के मध्य पल्लवित यह सभ्यता- पूर्व हड़प्पाकालीन, हड़प्पाकाल एवं उत्तर हड़प्पाकालीन सभ्यताओं का प्रतिनिधित्व करती है।
- कालीबंगा की खोज सर्वप्रथम 1952 ई. में **'अमलानन्द घोष'** द्वारा की गई तथा उत्खनन कार्य 1960-1969 ई. के मध्य **बी.बी. लाल, बी.के. थापर, एम.डी. खरे** एवं **के.एम. श्रीवास्तव** द्वारा करवाया गया।
- कालीबंगा के उत्खनन में हड़प्पाकालीन सांस्कृतिक युग के पाँच स्तर मिले हैं।
- कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ- ''काले रंग की चूड़ियाँ'' है।
- कालीबंगा सभ्यता की सर्वप्रथम व्यवस्थित जानकारी इटली के विद्वान **डॉ.एल.पी. टेसीटोरी** द्वारा दी गई।

### कालीबंगा का नगर नियोजन

- कालीबंगा एक विकसित नगरीय सभ्यता थी। यहाँ का नगर सुव्यवस्थित योजनानुसार बसा हुआ था। यह पश्चिमी और पूर्वी दो टीलों पर बसा हुआ था। कालीबंगा में दुर्ग व नगर क्षेत्र दोनों अलग-अलग रक्षा प्राचीर से घिरे हुए थे।

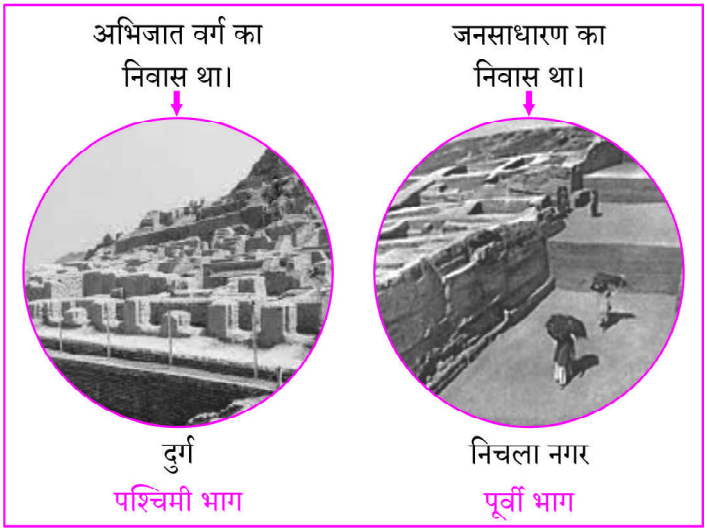


- कालीबंगा की सड़कें पाँच से साढ़े पाँच मीटर चौड़ी थी एवं समकोण पर कटती थीं। सड़कों के किनारे गलियाँ निकली हुई थी; जिन पर आवासीय भवन बने हुए थे।
- मोहनजोदड़ो, हड़प्पा आदि के विपरीत कालीबंगा के घर **कच्ची ईंटों** (धूप मे सुखाई हुई) के बने हैं। कमरो एवं फर्श को चिकनी मिट्टी से लीपा जाता था। लगभग सभी घरों में अपने-अपने कुएँ थे।
- कालीबंगा से सेलखड़ी की मुहरें एवं मिट्टी की मुहरें मिली हैं। जिन पर हड़प्पाकालीन लिपि के समान अक्षर मिले हैं किन्तु इसे अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है।

# 23 राज्यपाल का कार्यालय; भूमिका एवं कार्य [Office of Governor; Role and Functions]

संविधान के **भाग–6** के अन्तर्गत **अनुच्छेद 152 से 234** तक राज्य सरकार एवं उसकी कार्यप्रणाली का उल्लेख किया गया है। **अनुच्छेद 153** के अनुसार प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा जो उसकी कार्यपालिका का संवैधानिक प्रधान होता है। **7वाँ संविधान संशोधन** (1956) के बाद कोई व्यक्ति दो या अधिक राज्यों का भी राज्यपाल हो सकता है।

राज्यपाल केन्द्र व राज्य के बीच ऐसी कड़ी है। जिससे एक ओर राज्य के स्थानीय विकास व आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील भूमिका अपेक्षित है वहीं दूसरी और यह भी आशा की जाती है कि वह राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखेगा। अतः राज्यपाल एक साथ कई भूमिकाओं का निर्वाह करता है।

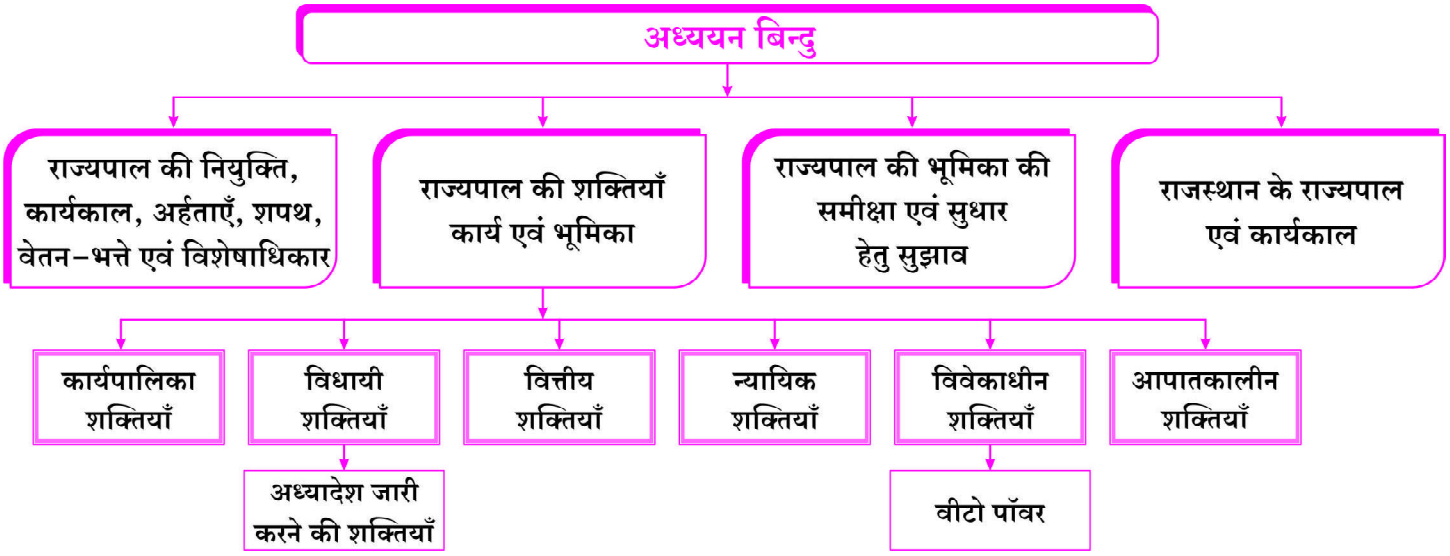


## राज्यपाल की नियुक्ति/अर्हताएँ

- **अनुच्छेद–155** के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। राज्यपाल दोहरी भूमिका में कार्य करता है। वह राज्य का संवैधानिक प्रधान होने के साथ–साथ संघ का एजेन्ट भी होता है।
- अनुच्छेद–157 व 158 के अन्तर्गत किसी व्यक्ति में राज्यपाल के पद के लिए निम्नलिखित योग्यताओं एवं शर्तों का होना आवश्यक है–
  1. वह भारत का नागरिक हो।
  2. 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
  3. राज्यपाल के पद पर आसीन व्यक्ति किसी राज्य या संघ क्षेत्र की सरकार के अधीन लाभ का पद धारण नहीं करेगा।
  4. राज्यपाल नियुक्त किया जाने वाला व्यक्ति संसद अथवा राज्य विधान मंडल के किसी सदन का सदस्य नहीं होना चाहिए।

## शपथ

- **अनुच्छेद–159** के अनुसार राज्यपाल को संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष शपथ लेनी पड़ती है।
- राज्यपाल के द्वारा संविधान के संरक्षण, रक्षण एवं सुरक्षा की शपथ ली जाती है साथ ही वह लोगों की भलाई एवं सेवा की शपथ लेता है।

## कार्यकाल

- **अनुच्छेद–156** में राज्यपाल के कार्यकाल के उपबंध दिए गए है, जिसमें तीन बातें मुख्य हैं—
  (1) राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करेगा।
  (2) राज्यपाल की नियुक्ति 5 वर्ष के लिए होती है, राष्ट्रपति राज्यपाल को दूसरे कार्यकाल के लिए पुनः नियुक्त कर सकता है। ध्यातव्य है कि कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात् नए राज्यपाल की नियुक्ति तक वह पद पर बना रहता है।

# 30 राजस्थान : आर्थिक समीक्षा सार संग्रह
# [Rajasthan : Economic Review Summary 2021-22]

प्रिय विद्यार्थियों राजस्थान सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय (सांख्यिकी विभाग) द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित 'आर्थिक समीक्षा' राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य का विस्तृत अवलोकन प्रदान करती है तथा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति पर प्रकाश डालती है। वर्तमान में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित लगभग सभी परीक्षाओं में विशेषतौर पर ग्रेड I, II शिक्षक भर्ती परीक्षाओं में आर्थिक समीक्षा में आँकड़े व योजनाओं से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। अतः इसका संक्षिप्त सार-संग्रह का अध्ययन अति आवश्यक है।

## अध्ययन बिन्दु

- राजस्थान का भौतिक परिचय
- जनसांख्यिकी रूप-रेखा
- राज्य की अर्थव्यवस्था
- कृषि एवं सम्बद्ध सेवाएँ
- उद्योग क्षेत्र के नवाचार
- खान और खनिज
- श्रम और रोजगार

- ऊर्जा क्षेत्र के नवाचार
- सड़क एवं परिवहन
- ग्रामीण विकास और विशेष क्षेत्र कार्यक्रम
- शहरी विकास
- पर्यटन

- कोविड प्रबंधन हेतु I.T. विभाग द्वारा उठाये गए कदम
- शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार
- चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
- जलापूर्ति एवं जल जीवन मिशन
- सतत् विकास गोल्स
- C.M.R.I.T.A.C.

- राजस्थान सरकार की फ्लेगशिप योजनाएँ

- शुद्ध के लिए युद्ध अभियान
- निरोगी राजस्थान अभियान
- मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना
- मुख्यमंत्री निःशुल्क जाँच योजना
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थय बीमा योजना
- महात्मा गाँधी इंग्लिश मीडियम स्कूल

- ₹ 1 प्रति किलो गेहूँ
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना
- मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना
- मुख्यमंत्री वृद्धावस्था सम्मान पेंशन योजना
- मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना
- मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना

- पालनहार योजना
- राजस्थान कृषि प्रसंस्करण निर्यात् प्रोत्साहन नीति-2019
- मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना
- राजस्थान M.S.M.E. Act 2019
- राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2019
- जन सूचना पोर्टल

- राजस्थान जनाधार योजना
- विधवा विवाह उपहार योजना
- उज्ज्वला योजना
- स्वाधार गृह योजना
- मुख्यमंत्री कोरोना सहायता योजना
- गाडिया लोहार मकान निर्माण
- गाडिया लोहार कच्चा माल क्रय योजना
- इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट कार्ड योजना

## राजस्थान का भौतिक परिचय

❖ राजस्थान, क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है, जो कि उप महाद्वीप के उत्तर पश्चिम भाग में स्थित है और इसकी उत्तर व उत्तर-पूर्वी सीमाएं पंजाब व हरियाणा से, पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी सीमाएं उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश से, दक्षिण-पश्चिम सीमा गुजरात राज्य से एवं पश्चिम सीमा पाकिस्तान से जुड़ी हुई है।

❖ इसका भौगोलिक क्षेत्रफल **3.42 लाख वर्ग कि.मी.** है, जो कि देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का **10.41 प्रतिशत** है और भारत की कुल जनसंख्या का **5.66 प्रतिशत** (भारत की जनगणना, 2011) जनसंख्या यहाँ निवास करती है।

# लेखक परिचय

**M. K. YADAV**
(RES)

वर्तमान में राजस्थान लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में राजस्थान G.K. अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय हैं। श्री महेन्द्र कुमार यादव को इस क्षेत्र में अध्ययन-अध्यापन का विशद अनुभव है। आपने राजस्थान कॉलेज जयपुर से स्नातक किया है तथा इतिहास एवं संस्कृति विभाग (राजस्थान विश्वविद्यालय) से M. A. की डिग्री हासिल की है एवं राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण की है।

आपका R.P.S.C. द्वारा आयोजित प्राध्यापक भर्ती 2015 में व्याख्याता पद पर चयन हुआ है। आपके मार्गदर्शन में हजारों प्रतियोगी परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। इस पुस्तक में राजस्थान के भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पहलुओं का समावेश मौलिक एवं रोचक शैली में किया गया है।

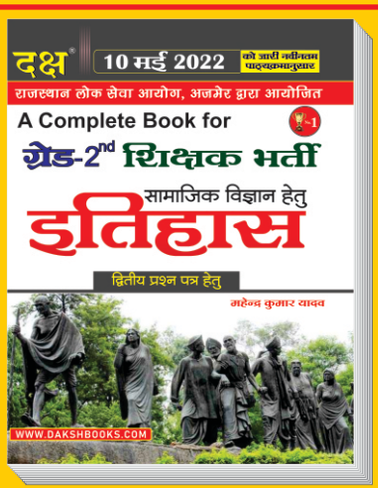

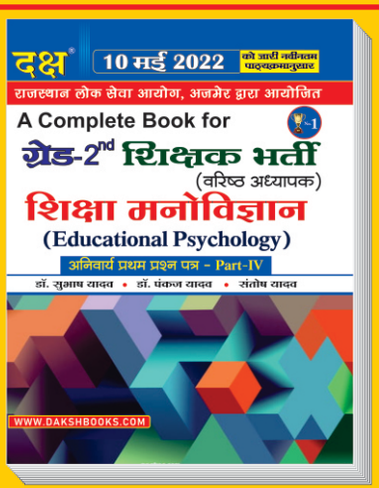

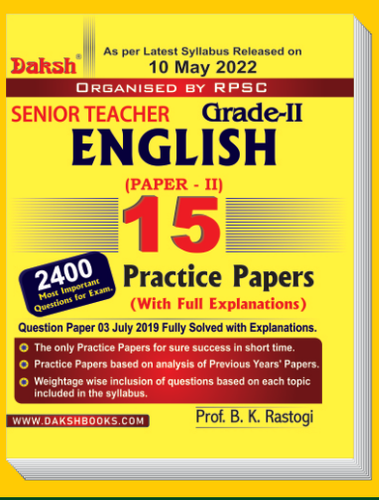

# दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)

फोन नं. 0141-2604302

Code No. D-629 | ₹ 640/-

इस पुस्तक को ONLINE खरीदने हेतु

**WWW.DAKSHBOOKS.COM**

पर ORDER करें

★★ FREE DELIVERY ★★